# इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
# (अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

## हिंदी विभाग

# पीएचडी. हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम

**2019–20**

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
(अमरकंटक, मध्यप्रदेश–484887)

# हिंदी विभाग

पीएचडी .(हिंदी), *चयन आधारित क्रेडिट सिस्टम हिंदी पाठ्यक्रम*

**प्रश्नपत्रः क्रम एवं पद्धति**

सत्र 2017–18 से प्रभावित तथा सत्र 2019–20 में संशोधित चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली पीएचडी हिंदी पाठ्यक्रम

| सेमेस्टर | प्रश्नपत्र क्रम | CC | प्रश्नपत्र का नाम | क्रेडिट | पूर्णांक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 1 | PHD_HL01 | अनुसंधान प्रविधि एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग | 5 | 100 |
| | 2 | PHD_HL02 | हिंदी साहित्यः विचारधारा और विविध विमर्श | 5 | 100 |
| | 3 | PHD_HL03 | अनुसंधान अभियोजना | 5 | 100 |
| | | | कुल क्रेडिट शोध कार्य पाठ्यक्रम | 15 | 300 |

# पी. एच.डी. हिंदी पाठ्यक्रम का विज़न

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की संरचना का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित शिक्षण–अधिगम प्रणालो पर केन्द्रित है। जिसमें उच्चषिक्षा–अनुसंधान के लक्ष्य को केन्द्रित करते हुए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के विज़न को समाहित किया गया है।

प्रस्तुत हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम पारंपरिक हिंदी साहित्य के अध्ययन के साथ–साथ उसके क्रमिक विकास की प्रक्रिया को समझने में मददगार साबित हो सकता है। इसी के साथ यह पाठ्यक्रम साहित्य के अंतरविषयक ज्ञान के व्यापक फलक को अपने कलेवर में समाहित करता है।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम साहित्य और समाज के विकास की अवधारणा को रेखांकित करते हुए समाज और साहित्य के समसामयिक विमर्श को भी वैज्ञानिक–वस्तुनिष्ठ दृष्टि से अवलोकन के लिए शिक्षार्थी को तैयार करता है। जिससे शिक्षार्थी न केवल अपने कौशल को संवर्द्धित कर सकते हैं बल्कि अपने अनुशासनात्मक ज्ञान को भी परिष्कृत व परिमार्जित कर सकते हैं और अपने जीवन को सार्थक एवं रोजगारोन्मुख बना सकते हैं।

**पाठ्यक्रम निर्माण समिति**
**हिंदी विभाग**

## हिंदी अध्ययन मंडल में उपस्थित सदस्यगण

| | |
|---|---|
| *प्रो. रेनू सिंह<br>प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* | *प्रो. आर.एस. सर्राजु<br>आचार्य, हिंदी विभाग<br>हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद* |
| *प्रो.तीर्थेश्वर सिंह<br>आचार्य,हिंदी विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* | *प्रो. श्रवण कुमार मीणा<br>प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग<br>जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर<br>(राजस्थान)* |
| *डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह<br>सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* | *प्रो. खेमसिंह डहेरिया<br>आचार्य,हिंदी विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* |
| *डॉ. प्रमोद कुमार<br>सहायक प्रोफेसर, भाषा विज्ञान विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* | *डॉ. प्रवीण कुमार<br>सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग<br>इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय<br>विश्वविद्यालय, अमरकंटक(म.प्र.)* |

# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म. प्र)484887

पाठयक्रम संख्या : PHD_HL01 पाठयक्रम : अनुसंधान पविधि एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग

क्रेडिट : 05 पूर्णांकः 100

इकाइ–1 अनुसंधान : अवधारणा और स्वरूप

तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण, तथ्या की नई व्याख्या, व्याख्या का नया परिप्रेक्ष्य
नया दृ"टकोण – 'ाोध और सर्जनात्मकता, षोध और आलोचना, शोध की भाषा

इकाइ–2 अनुसंधान–पद्धतियां

अुनसंधान की विविध पद्धतियां – आगमन–निगमन पद्धतियां, विश्लेषण–संश्लेषण, तर्क पद्धतियां, भाषा वैज्ञानिक आदि

अनुसंधान के उपागम – ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणात्मक, तुलनात्मक अनुसंधान पद्धति, पाठालोचनात्मक, अंतर–अनुशासनात्मक

इकाइ–3 अनुसंधान का व्यवहारिक पक्ष :

शोध के सोपान, शोध समस्या की पहचान, अध्ययन के वि"ाय का चुनाव – अध्ययन क्षेत्र की सीमा, 'ाोध प्रस्ताव/रूपरेखा, इन्डेक्स कार्ड प्रणाली, सामग्री संकलन, आधारभूत सामग्री, सहायक सामग्री, सामग्री संकलन स्रोत–व्यक्तिगत, संस्थागत और इंटरनेट, संदर्भ ग्रंथ सूची, अनुक्रमणिका उद्धरण की विधियां

इकाइ–4 शोध पत्रः लेखन एवं कम्प्यूटर

शोध पत्र/ शोध प्रबंध लेखन की मूल अवधारणा एवं प्रतिवेदन सृजन, शोध सार लेखन, परिचय, लेखन की मौलिक अवधारणा एवं शोध साहित्य पुनरावलोकन, परिणाम/निष्कर्ष प्रतिवेदन लेखन का महत्व, प्रतिवेदन लेखन के चरण, शोध–प्रतिवेदन के प्रकार, प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण की विधियां, शोध–पत्रिकाओं म प्रकाशन के प्रारूप, डिजिटल फॉर्म में

लेखन की समस्याएं; 'ाोध में कम्प्यूटर की भूमिका, मॉडुल निमार्ण और कम्प्यूटर

इकाइ–5 समकालीन साहित्यः अनुसंधान, अंतरविद्यावर्ती शोध और कम्प्यूटर अनुप्रयोग

समस्याएं, चुनौतियां एवं संभावनाएं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया–कम्प्यूटर और अनुसंधान, अनुसंधान में कम्प्यूटर का अनुप्रयोग, माइक्रोसॉफ्ट एक्सल में चार्ट/ग्राफ बनाना, पॉवर प्वाइन्ट प्रस्तुतीकरण, सर्च

एंजिन, भूमंडलीकरण का अनुसंधान पर प्रभाव, अंतर्विषयक साहित्यिक शोधप्रकृति की चुनौतियां एवं संभावनाएं

सहायक ग्रंथः


- डॉ सावित्री सिन्हा / डॉ. विजयेन्द्र स्नातक : अनुसंधान की प्रक्रिया, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, दिल्ली
- विनय मोहन 'ार्मा : 'ाोध प्रविधि, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, दिल्ली 1980
- डॉ देवराज उपाध्याय : साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, दिल्ली, 1969
- सं0 अमियदेव–षिषिर कुमार दास : कम्पैरेटिव लिटरेचर : थ्यौरी एण्ड प्रैक्टिस इंडियन इंस्टि्टयूटट आफ एडवांस स्टेडीज, षिमला, 1989
- .इन्द्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक साहित्य की भूमिका,
- .वी. के. गोकाक : दी कंसेप्ट ऑफ इंडियन लिटरेचर, नई दिल्ली, 1978
- सं0 ए0 पोद्दार : इंडियन लिटरेचर, षिमला, 1972
- रेने वेलेक : डिस्क्रिमिनेषनस, विकास पब्लिकेषन, दिल्ली, 1976
- रेने वेलेक : कंसेप्ट आफ क्रिटिसिज्म येल यूनिवर्सिटी, 1969
- आर. के. धवन (सं0): कम्पैरिटिव लिटरेचर थ्यौरी, बाहरी पब्लिकेषन, दिल्ली–1987
- .नगेन्द्र, (सं0) : तुलनात्मक साहित्य, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, नई दिल्ली–1985
- .सं0 न्यूटन पी. स्टालनेख़्त : कम्पैरेटिव लिटरेचर : मेथड एण्ड हॉर्स्ट फ्रेन्ज पर्सपेक्टिव
- उलरिख वेइस्तेइन : कम्पैरेटिव लिटरेचर एण्ड लिटरेरी थ्योरी
- .रेनेवेलक : आलोचना की अवधारणाएँ, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ, 1990
- बी0 एम0 जैन रिसर्च मेथेडॉलॉजी, हिन्दी, 1975
- डॉ नगेन्द्र, (सं0) : कम्पैरेटिव लिटरेचर, पब्लिकेषन डिवीजन, दिल्ली विष्वविद्यालय, दिल्ली, 1977
- एस0 एन0 गणेषन : अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोक भारती, इलाहाबाद,1986
- सं. भ. ह. राजूरकर / राजमल बोराः हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, नई दिल्ली, 1978
- डॉ नगेन्द्र : 'ाोध और सिद्धांत, नेषनल पब्लिषिंग हाउस, नई दिल्ली, 1978
- डा. तिलक सिंह : नवीन 'ाोध विज्ञान, प्रकाषन संस्थान, दिल्ली, 1982

पत्रिकाएंः 1. प्रतिमान
2. दलित अस्मिता
3. आदिवासी विमर्श
4. आलोचना
5. तद्भव
1. गवेषणा
2. आदिवासी आखाड़ा

**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (अमरकंटक, मध्यप्रदेश – 4894887)**

**पाठ्यक्रम संख्या : Ph.D._HL02 पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्यः विचारधारा और विविध विमर्श**

**क्रेडिटः5** **पूर्णांक : 100**

इस पाठयक्रम में हिन्दी साहित्य की विचारधारा और विविध विमर्शों का अध्ययन अपेक्षित रहेगा।

**इकाई** – साहित्यः इतिहास दर्शन और समाजशास्त्र.

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन
इतिहास दर्शन की अवधारणा
इतिहास दर्शन और साहित्य इतिहास
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं
साहित्य, इतिहास और दर्शन का अंतर्सम्बन्ध – सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक संदर्भ
(ख) साहित्य का समाजशास्त्र
साहित्य के समाजशास्त्र का इतिहास
समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति
साहित्य और पाठक – समुदाय
(ग) भूमंडलीकरण, राष्ट्रीयता, सांप्रदायिकता –
तमस (भीष्म साहनी), भूमंडलीकरण (नयन कमल काबरा), संघर्ष की ओर (नरेन्द्र कोहली )

इकाई –2 साहित्य और विचारधारा : अंतर्सबंध

(क) मनोविश्लषणवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, अतियथार्थवाद, मानववाद, अम्बेडरवाद, गांधीवाद और स्त्रीवाद,

(ख) साहित्य समीक्षा की नव्यतम दृष्टियां – परंपरा, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, स्वच्छंदतावाद, का परिचयात्मक अध्ययन

(ग) प्रतीक, बिंब, फैंटसी

इकाई –3 दलित साहित्य का समाजशास्त्र और इतिहास दर्शन
दलित लेखन का इतिहास
दलित साहित्य का इतिहास दर्शन

दलित साहित्य का समाजशास्त्र
दलित साहित्य का सौन्दर्यबोध

संदर्भित पाठ्य – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि),मुर्दहिया (तुलसीराम)

इकाई 4. स्त्री साहित्य का समाजशास्त्र और इतिहास दर्शन

स्त्री लेखन का इतिहास
स्त्रीवादी इतिहास दर्शन
स्त्री साहित्य का समाजशास्त्र

संदर्भित पाठ्य–चाक – मैत्रेयी पुष्पा, आओ पेपे घर चलें – प्रभा खेतान

इकाई 5. आदिवासी भाषाएं, संस्कृति एवं साहित्य का समाजशास्त्र और इतिहास दर्शन

आदिवासी लेखन का इतिहास
आदिवासी इतिहास दर्शन
आदिवासी साहित्य का समाजशास्त्र
आदिवासी सौन्दर्यबोध

संदर्भित पाठ्य–धूणी तपे तीर –हरिराम मीणा, हिडिम्ब – एस.आर. हरनोट

सहायक ग्रंथ :

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका
  – हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास
  – हिन्दी साहित्य का आदिकाल
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत
- सं. नगेन्द्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास
- ई. एच.कार – इतिहास क्या है
- रामकुमार वर्मा – हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
- गणपतिचंद्र गुप्त – हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
- नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन
- जगदीश्वर चतुर्वेदी – साहित्य का इतिहास दर्शन
- सुमन राजे – हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास
- अवधेश प्रधान – हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएं
- रामविलास शर्मा – भारतेंदु युग और हिन्दी भाषा की परंपरा
- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत
- प्रेमशंकर – भक्तिकाव्य की भूमिका

## इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकण्टक (म. प्र)484887

पाठयक्रम संख्याः PHD_HL03 पाठ्यक्रम : अनुसंधान अभियोजना

क्रेडिट : 05 पूर्णांक : 100

इकाई– 1 अधिन्यास 50 अंक

शोधार्थी अपने शोध विषय से संबंधित शोध योजना प्रस्तुत करेगा।

उपलब्ध सामग्री की समीक्षा करेगा।

शोध प्रबंध की रूपरेखा प्रस्तुत करेगा।

संभावित विश्लेषण की पद्धतियों का परिचय देगा।

इकाई– 2 संपूर्ण कोर्स वर्क में 5 प्रस्तुतिकरण 30 अंक

पावर पाइंट के द्वारा प्रस्तुति और अपनी प्रस्तुति का समर्थन

इकाई– 3 साक्षात्कार 20 अंक

पूर्व पीएचडी अधीनता स्वीकरण ;च्तम`नइउपेपवद द्धशोध प्रबंध के सभी अध्याय के संपूर्ण लेखन के साथ ही निर्धारित पीएचडी समय सीमा से छह माह पूर्व होना है।